Syllabus and Course Scheme
Academic year 2022-23

M.A. – Sanskrit

Exam.-2023 & 2024

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India

Website: uok.ac.in

M.A. SANSKRIT

SCHEME OF EXAMINATION

Each Theory Paper	3 hrs. duration	100 Marks
Dissertation/Thesis/Survey Report/Field work, if any		100 Marks

1. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

2. A candidate for a pass at each of the Previous and the final Examination shall be required to obtain (i) at least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical (s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper work, at the examination and also in the dissertation/ report/field work. Wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination not with standing his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below :
First Division 60% of the aggregate marks taken together
Second Division 48% of the Previous and final Examination.
All the rest will be declared to have we passed the examinations.

3. If a candidate clears any Paper (s) Practical(s)/Dissertation prescribed at the Previous and/or final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical shall be taken in to account in respect of such Paper(s)/ Practical(s) Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to reach the minimum aggregate as many mark out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.

4. The Thesis/Dissertation/Survey Report/Field Work shall be typed and written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Rsigistrar atleast 3 weeks before the commencement of the theory examinations Only such candidates shall be permitted to offer Desiccation/Field Work/ Survey Report/Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured atleast 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeard at the examination.

5. A candidate failing at M.A. Previous examination may be provisionally admitted to the M.A. Final Class, provided that he passes in atleast 50% papers as per Provisions of 0.235 (i)

6. A candidate may be allowed grace marks in only one theory papers up to the extent of 1% of the total marks prescribed for that examination.
N.B.(i) Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O.170-A.

MASTER OF ARTS SANSKRIT

Programme Structure

The Master of Arts Sanskrit is a two-year course divided into four- Semesters. A Student is required to complete 96 credits for the completion of course and the awaed of Degree.

Year/ Semester	**Serial Number, Code & Nomenclature of Paper**			**Duration of Exam**	**Teaching Hrs/ Week & Credit**			**Distribution of Marks**			**Min. Pass Marks**	
	Number	Paper/ Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I Year/ I Semester	1.1	Paper-I SAN 101	**वैदिक साहित्य**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	1.2	Paper-II SAN 102	**संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	1.3	Paper-III SAN 103	**भारतीय दर्शन**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	1.4	Paper-IV SAN 104	**भाषा–विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
Total					**24**	**-**	**24**	**200**	**400**	**600**		

I Year/ II Semester	2.1	Paper-V SAN 201	**उपनिशद् एवं वेदांग साहित्य**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	2.2	Paper-VI SAN 202	**संस्कृत रूपक और खण्डकाव्य**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	2.3	Paper-VII SAN 203	**योग, वेदान्त और चार्वाक दर्शन**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	2.4	Paper-VIII SAN 204	**संस्कृत व्याकरण**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
Total					**24**	**-**	**24**	**200**	**400**	**600**		

पाठ्यक्रम प्रारूप

एम.ए. संस्कृत पूर्वार्द्ध परीक्षा 2022–2023

प्रथम सेमिस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका
तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषा–विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास

द्वितीय सेमिस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – उपनिशद् एवं वेदांग साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत रूपक और खण्डकाव्य
तृतीय प्रश्न पत्र – योग, वेदान्त और चार्वाक दर्शन
चतुर्थ प्रश्न पत्र – संस्कृत व्याकरण

प्रथम सेमिस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य

समय **3** **घण्टे**

पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 12वां प्रश्न अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – ऋग्वेद – मरुत् (1.85), रुद्र (2.33) उषस् (4.51) वरुण (7.86)
2. द्वितीय इकाई– ऋग्वेद– पुरूशसूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ 10.121, वाक् (10.125), नासदीय(10.129)
3. तृतीय इकाई– संवादसूक्त– विश्वामित्र–नदी (3.33), यम–यमी (10.10), पुरूरव–उर्व ी (10.95), सरमा–पणी (10.108)
4. चतुर्थ इकाई – अथर्ववेद– राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), पृथिवी (12.1), काल सूक्त (19.53)
5. पंचम इकाई – वैदिक साहित्य का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

विशेष निर्देश–

खण्ड –'ब' इकाई प्रथम से मंत्रों की व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी। पंचम इकाई में वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय से सम्बन्धित एक प्र न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है और यह व्याख्यात्मक प्र न से संबन्धित है। इसका अंक–विभाजन निम्न प्रकार होगा–

1. इकाई द्वितीय से 2 मन्त्रों में से 1 मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या। (अंक 10)
2. इकाई चतुर्थ से 2 मन्त्रों में से 1 मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या। (अंक 10)

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश – 50 अंक

लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य – **30 अंक**
मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक पुस्तकें

1. ऋक् सूक्तसंग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री
2. ऋग्भाष्यसंग्रह – डॉ. देवराज चानना, दिल्ली
3. वैदिक वाड्.मय एक परिशीलन – ब्रजबिहारी चौबे
4. ऋग्वेद भाष्य – स्वामी दयानन्द
5. वैदिक स्वर मीमांसा – पं. युधिष्ठिर मीमांसक
6. वैदिक स्वर बोध – ब्रज बिहारी चौबे
7. वैदिक साहित्य – रामगोविन्द त्रिवेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोट :– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी माध्यम से होगा एवं 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) – प्रथम परिच्छेद (सम्पूर्ण)
2. द्वितीय इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) – द्वितीय परिच्छेद (सम्पूर्ण)
3. तृतीय इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ)– तृतीय परिच्छेद 1–28 कारिका
4. चतुर्थ इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ)– छठा परिच्छेद 1–30 कारिका
5. पंचम इकाई – हर्षचरितम् (बाणभट्ट) – प्रथम उच्छ्वास

विशेष निर्देश–

खण्ड – 'ब' इकाई प्रथम से संप्रसग व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी।

खण्ड–'स' प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। इसका अंक–विभाजन इस प्रकार होगा–

1. द्वितीय इकाई– साहित्य दर्पण (द्वितीय परिच्छेद) से संप्रसग हिन्दी व्याख्या (10 अंक)।
2. पंचम इकाई– हर्षचरितम् (प्रथम उच्छ्वास) से संप्रसग हिन्दी व्याख्या (10 अंक)।

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अं I – 50 अंक

लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि – **30 अंक**

मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक पुस्तकें :

1. साहित्य दर्पण – डॉ. निरूपण विद्यालंकार
2. साहित्य दर्पण – आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमल टीका)
3. हर्षचरित : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
4. हर्षचरित – पी.वी. काणे
5. हर्षचरित – एम.आर काणे

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) – 1 से 36 कारिका
2. द्वितीय इकाई – सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) – 37 से 72 कारिका
3. तृतीय इकाई – तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) – प्रारम्भ से अनुमान प्रमाण पर्यन्त
4. चतुर्थ इकाई – तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) – उपमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद पर्यन्त
5. पंचम इकाई – भारतीय दर्शन का सामान्य व संक्षिप्त परिचय

विशेष निर्देश–

खण्ड– 'ब' प्रथम इकाई – सांख्यकारिका से संप्रसग व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी। पंचम इकाई में भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय से सम्बन्धित एक प्र न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।
खण्ड–'स' प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। इसका अंक–विभाजन इस प्रकार होगा–
1. द्वितीय इकाई – सांख्यकारिका से संप्रसग हिन्दी व्याख्या (10 अंक)।
2. तृतीय इकाई – तर्क भाषा से संप्रसग हिन्दी व्याख्या (10 अंक)।
परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अं□ ा – 50 अंक
लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि – **30 अंक**
मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :
1. सांख्यकारिका – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
2. सांख्यकारिका – डॉ. विमला कर्नाटकर
3. सांख्यतत्व कौमुदी – रामशंकर भट्टाचार्य
4. तर्क भाषा – आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रका ान, वाराणसी
5. तर्क भाषा – पं. बद्रीनाथ शुक्ल, चौखम्बा प्रका ान, वाराणसी
6. तर्क भाषा – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
7. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय दर्शन – डॉ. उमे ा मिश्र, हिन्दी समिति उत्तरप्रदे ा सरकार, लखनऊ
9. भारतीय दर्शन – दत्ता एंव चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)

चतुर्थ प्रश्न पत्र– भाषा–विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास

समय **3** **घण्टे**
पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का अर्थ, भाषा की उत्पत्ति तथा विकास
2. द्वितीय इकाई – ध्वनि–विज्ञान, उच्चारण–अवयव, ध्वनि–परिवर्तन के कारण, प्रसिद्ध ध्वनि–नियम
3. तृतीय इकाई – अर्थ विज्ञान – अर्थ परिवर्तन के कारण एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
4. चतुर्थ इकाई– भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय–परिवार की विशेषताएँ केण्टुम–शतम् वर्ग। भारतीय भाषाओं का अध्ययन, वैदिक–लौकिकसंस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ।
5. पंचम इकाई – शास्त्रीय साहित्य का इतिहास वास्तु, ज्योतिष, गणित, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद तथा अलंकार ास्त्र का संक्षिप्त परिचय।

विशेष निर्देश–

खण्ड– 'ब' इकाई प्रथम से प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने होंगे।

खण्ड–'स' प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। इसका अंक–विभाजन इस प्रकार होगा–

1. इकाई चतुर्थ – प्रश्नों का निर्माण करना (10 अंक)।
2. इकाई पंचम – प्रश्नों का निर्माण करना (10 अंक)।

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अं I – 50 अंक

लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि – **30 अंक**

मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषा–विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. संस्कृत–भाषा–विज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. भाषा का इतिहास – श्री भगवद्दत्त
4. संस्कृत का भाषा ास्त्रीय अध्ययन– डॉ. भोला ंकर व्यास, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी

5. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास – प्रियव्रत शर्मा
6. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास – भगवत राम गुप्त कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
7. भारतीय ज्योतिष – डॉ. नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
8. भारतीय ज्योतिष– डॉ. शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, लखनऊ उ.प्र.
9. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी – राजस्थान संस्कृत अकादमी प्रका ान, जयपुर
10. सुगम ज्योतिष प्रवेशिका – गोपेश कुमार ओझा
11. वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी – सीताराम शर्मा, राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर ।

द्वितीय सेमिस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र – उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य

समय **3** **घण्टे**

पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक – 50**

खण्ड स

इस खण्ड में 12वां प्रश्न अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली)
2. द्वितीय इकाई– कठोपनिषद् (द्वितीय वल्ली)
3. तृतीय इकाई – निरुक्त – यास्क (प्रथम अध्याय)
4. चतुर्थ इकाई – निरुक्त – यास्क (द्वितीय अध्याय)
5. पंचम इकाई – उपनिषद् एवं वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

विशेष निर्देश–

खण्ड –'ब' इकाई प्रथम से कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली) से मंत्रों की व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी। पंचम इकाई में उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य का सामान्य परिचय से सम्बन्धित एक प्र न अथवा दो टिप्पणी पूछी जाएगी।

खण्ड–'स' प्रश्न संख्या 12 वाँ करना अनिवार्य है और यह व्याख्यात्मक प्र न से संबन्धित है। इसका अंक–विभाजन निम्न प्रकार होगा–

1. इकाई द्वितीय– कठोपनिषद् (द्वितीय वल्ली) से 2 मन्त्रों में से 1 मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या। (अंक 10)
2. इकाई तृतीय – निरुक्त के दो गद्यां ाों में से किसी एक गद्यां ा की सप्रसंग व्याख्या। (अंक 10)

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अं ा– 50 अंक

लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि – **30 अंक**

मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक पुस्तकें

1. कठोपनिष्द् – गीताप्रेस गोरखपुर
2. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – एस. राधाकृ णन
3. निरुक्त – आचार्य विश्वेश्वर
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत रूपक तथा खण्डकाव्य

समय **3** **घण्टे**

पूर्णांक 100

नोट :– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी माध्यम से होगा एवं 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – मेघदूतम् (कालिदास) पूर्वमेघदूत
2. द्वितीय इकाई – मेघदूतम् (कालिदास) उत्तरमेघदूत
3. तृतीय इकाई – वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 1 से 3 अंक
4. चतुर्थ इकाई – वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 4 से 6 अंक
5. पंचम इकाई – रत्नावली (श्रीहर्शदेवकृत)

विशेष निर्देश–

खण्ड– 'ब' प्रथम इकाई– पूर्वमेघदूत से 2 सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी।

खण्ड–'स' प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। इसका अंक–विभाजन इस प्रकार होगा–

1. द्वितीय इकाई – उत्तरमेघदूत से संप्रसग हिन्दी व्याख्या पूछी जाएगी। (10 अंक)।

2. तृतीय इकाई – वेणीसंहारम् से संप्रसग हिन्दी व्याख्या पूछी जाएगी। (10 अंक)

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अं□ ा– 50 अंक

लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि – **30 अंक**

मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक पुस्तकें :

1. मेघदूतम् – डॉ. य ावन्त कुमार जो ाी
2. मेघदूतम् : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
3. मेघदूतम् : एक पुरानी कहानी– डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. वेणीसंहारम – तारिणी ा झा
5. वेणीसंहारम – रामदेव झा एवं आदित्य नारायण पाण्डेय, चौखम्बा अमर भारती प्रका ान, वाराणसी
6. रत्नावली – रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी

तृतीय प्रश्न पत्र – योग, वेदान्त एवं चार्वाक दर्शन

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – योगसूत्र (पतंजलि कृत) – समाधिपाद
2. द्वितीय इकाई – योगसूत्र (पतंजलि कृत) – साधनपाद
3. तृतीय इकाई – वेदान्तसार (सदानन्द कृत) – प्रारम्भ से सूक्ष्म ारीरपर्यन्त
4. चतुर्थ इकाई – वेदान्तसार (सदानन्द कृत) – पंचीकरण से अन्तपर्यन्त
5. पंचम इकाई – चार्वाक द ि न – सर्वदर्शन संग्रह से

विशेष निर्देश–

खण्ड – 'ब' प्रथम इकाई – योगसूत्र से संप्रसग व्याख्या संस्कृत माध्यम से पूछी जाएगी।

खण्ड –'स' प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। इसका अंक–विभाजन इस प्रकार होगा–

1. द्वितीय इकाई – योगसूत्र से संप्रसग हिन्दी व्याख्या पूछी जाएगी। (10 अंक)।
2. तृतीय इकाई – वेदान्तसार से संप्रसग हिन्दी व्याख्या पूछी जाएगी। (10 अंक)।

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अं ा – 50 अंक
लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि – **30 अंक**
मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. पतंजलि योग सूत्र – चौखम्बा संस्कृत प्रका ान, वाराणसी
2. वेदान्तसार – डॉ. ि ावसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रका ान, मेरठ
3. वेदान्तसार – डॉ. सन्तनारायण श्रीवास्तव
4. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य, चौखम्बा विद्याभवन प्रका ान, वाराणसी

चतुर्थ प्रश्न पत्र – व्याकरण शास्त्र

समय 3 **घण्टे**

पूर्णांक 100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **कुल अंक – 10**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12वां करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक – 40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – लघु सिद्धान्त कौमुदी – प्रक्रिया भाग (णिजन्त से नामधातवः तक)
2. द्वितीय इकाई – लघु सिद्धांत कौमुदी – प्रक्रिया भाग (आत्मनेनद से लकारार्थ तक)
3. तृतीय इकाई – लघु सिद्धांत कौमुदी – कारक प्रकरण प्रथम से तृतीय विभक्ति
4. चतुर्थ इकाई– लघु सिद्धांत कौमुदी – कारक प्रकरण चतुर्थ से पंचम विभक्ति
5. पंचम इकाई – लघु सिद्धांत कौमुदी – कारक प्रकरण ाश्ठी से सप्तमी विभक्ति

विशेष निर्देश–

खण्ड– 'ब' प्रथम इकाई – प्रक्रिया भाग से प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में देने होंगे।

खण्ड–'स' प्रश्न सं. 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्र न से सम्बन्धित है। इसका अंक–विभाजन इस प्रकार होगा–

1. द्वितीय इकाई – प्रक्रिया भाग से सूत्रों की व्याख्या (10 अंक)।
2. तृतीय इकाई – कारक प्रकरण से सूत्रों की व्याख्या (10 अंक)।

परीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड–'स' की प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथासम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों का निर्माण करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते है। छात्रों को उक्त तीनों प्रश्नों में से कोई एक प्रश्न करना है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अं I – 50 अंक

लिखित परीक्षा – प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि – **30 अंक**

मौखिक परीक्षा – विशय आधारित – **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. लघु सिद्धांत कौमुदी – भीमसेन भाास्त्री
2. लघु सिद्धांत कौमुदी – महे I सिंह कु ावाह

3. लघु सिद्धांत कौमुदी – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर
4. एम.ए. संस्कृत–व्याकरण – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
5. संस्कृत –व्याकरण – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी,
6. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।
7. व्याकरण शास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक
8. कारक दीपिका – श्री मोहन वल्लभ पन्त